डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी

हिन्दी विभाग

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता

स्नातक स्तर

(त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम)

सत्र-2013-14

पाठ्यक्रम की प्रस्तावना और उसकी उपादेयता

मानव जाति की उपलब्धियों में आपसी विचार–विनिमय हेतु भाशा उसकी सबसे महानतम उपलब्धि है। वस्तुतः भाशा का अस्तित्व मनुश्य के अस्तित्व के साथ ही जुड़ा हुआ है इसलिए भाशा हमारी सभ्यता–संस्कृति, ज्ञान, विज्ञान, कला और जीवन–विकास के विविध सोपानों की यात्रा का जीवंत आईना है। परंपरा से आधुनिकता को जोड़ने में जहां एक ओर यह सेतु का कार्य करती है वहीं दूसरी ओर हमारी समस्त प्रकार की भावनाओं, इच्छाओं, कामनाओं, संवेदनाओं एवं आवष्यकताओं की अभिव्यक्ति का भी सहज ही भार–वहन करती है। सदियों–सदियों के सभ्यता और संस्कृति की अनुगूंज भाशा की ध्वनि–तरंगों में सरिता के कल–कल धारा के समान सुनी जा सकती है। इस प्रकार भाशा हमारे जीवन में अपने दोनों ही महत्वपूर्ण रूपों–सृजनात्मकता एवं प्रयोजनपरकता के रूप में अनादि काल से ही प्रवाहमान और विद्यमान है तथा आगे भी यह अनंतकाल तक प्रवाहमान और विद्यमान रहेगी।

हिन्दी विष्व की विषाल भू–भाग में बोली जाने वाली दुनिया की समृद्धतम भाशाओं में से एक है। हिन्दी प्रदेष में जहां यह अपनी पांच उपभाशाओं और उनकी अनेक बोलियों के अंतर्गत विषाल जनसमुदाय द्वारा प्रयुक्त होती है वहीं यह संचार, संपर्क और प्रयोजनपरक भाशा के रूप में समूचे देष में व्यवहृत होती है। जहां एक ओर यह केंद्र और राज्य सरकारों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुंदर माध्यम बनी हुई है वहीं दूसरी ओर वाणिज्य–व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, बीमा और बैंकिंग, कम्प्यूटर और संचार माध्यमों से लेकर कार्यालयी और प्रषासनिक स्तर पर भी अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करा रही है। आज इसकी जद में कम्प्यूटर, टेलीप्रिंटर, दूरदर्षन, रेडियो, अखबार, पत्र–पत्रिकाएं, डाक–तार, फिल्म, विज्ञापन, षेयर बाजार, रेल, हवाई जहाज, रक्षा, सेना, इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृशि विज्ञान तथा षिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यटन आदि अनेकानेक क्षेत्र इसके व्यवहार के अंतर्गत हैं। भूमंडलीकरण, बाजारीकरण, उदारीकरण और वैष्वीकरण के वर्तमान युग में आज इसकी लोकप्रियता राश्ट्रीय ही नहीं अर्न्तराश्ट्रीय मंच पर भी देखी और सुनी जा सकती है। संस्कृति भाशा की वास्तविक उत्तराधिकारिणी होने के कारण हिन्दी के रक्त में इस देष के सदियों–सदियों के संस्कार स्वतः ही समाहित हैं। अस्तु, विष्व–भाशा बनने की होड़ में हमारी हिन्दी भी आज संघर्शरत है।

उपर्युक्त संक्षिप्त विवेचन से हिन्दी की प्रयोजनीयता एवं उपादेयता स्वतः ही सिद्ध हो जाती है। इसी को ध्यान में रखकर विष्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपनी नयी षिक्षा नीति के तहत **"कैरियर ओरिएण्टेड कोर्स"** के अंतर्गत विष्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता के पाठ्यक्रम और रोजगारपरक डिप्लोमा पाठ्यक्रम तैयार किये हैं जिसे अधिसंख्य विष्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में चलाया जा रहा है। इससे जहां एक ओर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर राश्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की व्यवहारजनित प्रयोजनीयता का फलक भी अत्यंत व्यापक हुआ है। इससे इस प्रकार के पाठ्यक्रमों की उपादेयता स्वतः ही प्रमाणित होती है। विष्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इसी क्रम में इस वर्श **स्नातक स्तर** पर हमारे महाविद्यालय को भी यह

पाठ्यक्रम चलाने की सहर्श अनुमति प्रदान की है। **"प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता"**इसी दिषा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वर्तमान समय में पत्रकारिता एक महत्वपूर्ण माध्यम है जिसमें विद्यार्थी अपना कैरियर बनाकर समाज और देष की सेवा कर सकते हैं तथा अर्थ और यष का उपार्जन कर अपना जीवन सफल बना सकते हैं। यह पाठ्यक्रम इन्हीं उद्देष्यों को लेकर प्रारंभ किया जा रहा है।

प्रवेष, पाठ्य–निर्धारण एवं प्रमाण–पत्र

उपर्युक्त पाठ्यक्रम 'प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता' विष्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रायोजित नियमों के अंतर्गत एक 'त्रिवर्शीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम' है जिसमें **स्नातक स्तर के विद्यार्थी प्रवेष ले सकेंगे**। संपूर्ण पाठ्यक्रम कुल छः सत्रों (सेमेस्टरों) व तीन वर्शों का होगा। संक्षेप में इसका स्वरूप अधोलिखित है–

1. **प्रथम वर्श (दो सेमेस्टर) – 'सर्टिफिकेट कोर्स'**
2. **द्वितीय वर्श (दो सेमेस्टर) – 'डिप्लोमा कोर्स'**
3. **तृतीय वर्श (दो सेमेस्टर) – 'एडवांस डिप्लोमा कोर्स'**

इस प्रकार कुल तीन वर्श और छः सत्रों में पाठ्यक्रम का संचालन होगा। प्रत्येक वर्श का पाठ्यक्रम 20 क्रेडिट का होगा इस प्रकार तीन वर्श और छः सत्रों में कुल प्रष्नपत्र 60 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक कोर्स का संबंध पूर्वापर के साथ ही स्वतंत्र भी होगा। इसमें प्रवेष लेने वाले विद्यार्थी को प्रथम वर्श में **'सर्टिफिकेट कोर्स'** का दूसरे वर्श में **'डिप्लोमा कोर्स'** का तथा तीसरे वर्श में **'एडवांस डिप्लोमा कोर्स'** का प्रमाण–पत्र दिया जायेगा।

प्रष्नपत्र एवं अंक–निर्धारण

प्रस्तुत डिप्लोमा पाठ्यक्रयम 'प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता' के प्रत्येक कोर्स सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा के लिए कुल तीन प्रष्नपत्र होंगे। प्रत्येक सैद्धांतिक प्रष्नपत्र 06 क्रेडिट और 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंक लिखित मूल्यांकन के लिए तथा 30 आंतरिक मूल्यांकन के लिए रखे गये हैं। प्रत्येक कोर्स में 08 क्रेडिट और 100 अंक प्रोजेक्ट वर्क/फील्ड वर्क/ट्रेनिंग/एसाइनमेंट तथा मौखिकी मूल्यांकन हेतु रखे गये हैं। प्रत्येक सैद्धांतिक प्रष्नपत्र में 03 इकाईयाँ हैं। इसमें सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक दोनों तरह का पाठ्यक्रम समाहित है, ताकि विद्यार्थी पठन–पाठन के साथ ही साथ प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक दोनों ही रूपों में षिक्षित–प्रषिक्षित हो सकें।

इस तरह उपर्युक्त पाठ्यक्रम का अंक–निर्धारण इस प्रकार होगा–

- **लिखित मूल्यांकन – 70 अंक**
- **आंतरिक मूल्यांकन – 30 अंक**
- **एक प्रष्नपत्र का पूर्णांक – 100 अंक**
- **फील्ड वर्क/प्रोजेक्ट वर्क/ट्रेनिंग/एसाइनमेंट, मौखिकी – 100 अंक**

- **वार्शिक (प्रत्येक कोर्स) – (100 ग 03त्र 300अंक)**

उक्त में फील्ड वर्क/प्रोजेक्ट वर्क/ट्रेनिंग/एसाइनमेंट के लिए 50 अंक तथा 50 अंक मौखिकी मूल्यांकन के लिए रखे गये हैं। इस डिप्लोमा कोर्स के त्रिवार्शिक पाठ्यक्रम एवं प्रष्नपत्र का सविस्तार विवरण 'आर्डिनेंस' के साथ आगे दिया गया है।

डी. ए. वी. पी. जी. कॉलेज

वाराणसी

धियो यो नः प्रचोदयात्

डी.ए.वी. पी.जी. कालेज, वाराणसी

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यक्रम

सर्टिफिकेट कोर्स – प्रथम सत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता : 'सर्टिफिकेट कोर्स'

(प्रथम वर्ष, प्रथम सत्र का पाठ्यक्रम)

ह1 : प्रथम प्रश्नपत्र **पूर्णांक–70**

प्रयोजनमूलक हिन्दी : संकल्पना और प्रयुक्ति **कोड–ठच्भ्.111**

इकाई–01 : प्रयोजनमूलक हिन्दी : संकल्पना और स्वरूप **(क्रेडिट : 06)**

(क) नामकरण : परिभाषा एवं अर्थ–बोध
(ख) प्रयोजनमूलक हिन्दी : अवधारणा और व्याप्ति
(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति और प्रकार
(घ) प्रयोजनमूलक हिन्दी : उपयोगिता एवं विशेषताएँ
(ङ) प्रयोजनमूलक हिन्दी : सीमाएँ एवँ संभावनाएँ

इकाई–02 : प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति के रूप

(क) हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय
(ख) मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा
(ग) सामान्य भाषा और सर्जनात्मक भाषा
(घ) संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा और राजभाषा
(ङ) सूचना और संचार की भाषा

इकाई–03 : समाचार–संकलन : लेखन और संपादन

(क) समाचार : अर्थ और स्वरूप
(ख) समाचार–लेखन के बुनियादी तत्व
(ग) शीर्षक और पृष्ठ–सज्जा
(घ) समाचार–संकलन और लेखन की कला
(ङ) संपादकीय लेखन
(च) प्रूफ–संशोधन

आंतरिक मूल्यांकन (सेशनल)	**–**	**30 अंक**	
कुल पूर्णांक : (70़30) अंक	**त्र**		**100**

डी. ए. वी. पी. जी. कॉलेज

वाराणसी

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यक्रम

सर्टिफिकेट कोर्स – द्वितीय सत्र

द्वितीय सत्र

ब.2 : द्वितीय प्रश्नपत्र **पूर्णांक—70**

कार्यालयीय हिन्दी : विविध प्रयोग **कोड—ठच्भ.112**

इकाई—01 : कार्यालयीय हिन्दी और पत्र—लेखन **(क्रेडिट : 06)**

(क) कार्यालयीय हिन्दी की प्रकृति
(ख) पत्र—लेखन की कला
(ग) पत्रों के प्रकार
(1) सामाजिक या व्यक्तिगत पत्र
(2) व्यापारिक या व्यावसायिक पत्र
(3) सरकारी या प्रशासनिक पत्र
(4) संपादक के नाम पत्र
(घ) पत्र—लेखन का महत्व

इकाई—02 : संपेक्षण एवं भाव—पल्लवन

(क) संक्षेपण : अर्थ एवं परिभाषा
(ख) संक्षेपण की विशेषताएँ
(ग) पल्लवन : अर्थ एवं परिभाषा
(घ) पल्लवन की विशेषताएँ

इकाई—03 : हिन्दी : शब्द— प्रयोग

(क) हिन्दी की शब्द—संपदा
(1) तत्सम शब्द
(2) तद्भव शब्द
(3) देशज शब्द
(4) विदेशज शब्द
(ख) पर्यायवाची एवं विपर्यय शब्द
(ग) मुहावरे और लोकोक्तियाँ

आंतरिक मूल्यांकन (सेशनल)	**—**	**30 अंक**	
कुल पूर्णांक : (70़30) अंक	**त्र**		**100**

ब्3 : तृतीय प्रश्नपत्र पूर्णांक–100

कोड–ठच्भ्113

<u>फील्ड वर्क / प्रोजेक्ट वर्क / ट्रेनिंग / एसाइनमेंट</u> (क्रेडिट : 08)

(क)	फील्ड वर्क / प्रोजेक्ट वर्क / ट्रेनिंग / एसाइनमेंट	–	50 अंक
(ख)	मौखिकी	–	50 अंक

विशेषः– प्रत्येक छात्र को फील्ड वर्क / प्रोजेक्ट वर्क / ट्रेनिंग / एसाइनमेंट (इनमें से कोई एक) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। मौखिकी परीक्षा का मूल्यांकन बाह्य एवं आंतरिक परीक्षक द्वारा किया जायेगा।

<u>अनुशंसित ग्रंथ</u>

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका– डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग– दंगल झाल्टे
3. प्रामाणिक प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय
4. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना– डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
5. कामकाजी हिन्दी– डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और व्यवहार– रघुनंदन प्रसाद शर्मा
8. हिन्दी शब्द अर्थ प्रयोग– डॉ. हरदेव बाहरी
9. हिन्दी भाषा– डॉ. हरदेव बाहरी
10. व्यावहारिक हिन्दी– डॉ. रामकिशोर शर्मा

डी. ए. वी. पी. जी. कॉलेज

वाराणसी

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यक्रम

डिप्लोमा कोर्स - प्रथम सत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता : 'डिप्लोमा कोर्स'

(द्वितीय वर्ष, प्रथम सत्र का पाठ्यक्रम)

क्र.1 : प्रथम प्रश्नपत्र **पूर्णांक–70**

प्रयोजनमूलक हिन्दी : अनुवाद और अनुप्रयोग **कोड–उच्च.211**

इकाई–01 : अनुवाद–प्रक्रिया : सिद्धांत और प्रविधि **(क्रेडिट : 06)**

(क) अनुवाद का अर्थ और स्वरूप

(ख) अनुवाद की परिभाषा

(ग) उत्तम अनुवादक के गुण

(घ) अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि

(ड़) अनुवाद : महत्व एवं उपादेयता

इकाई–02 : प्रयोजनमूलक हिन्दी : अनुप्रयोग और प्रकार

(क) हिन्दी भाषा की व्यापक संकल्पना

(ख) पारिभाषिक शब्दावली का निर्माण

(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ

(1) कार्यालयीय या प्रशासनिक हिन्दी

(2) वाणिज्य–व्यापार में हिन्दी

(3) विज्ञान ओर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी

(4) सूचना और संचार के माध्यमों में हिन्दी

(5) बैंकिंग–बीमा और अन्य क्षेत्रों में हिन्दी

(6) कम्प्यूटर अनुप्रयोग और हिन्दी।

इकाई–03 : सर्जनात्मक लेखन और हिन्दी की प्रयोजनीयता

(क) रिपोर्ताज (फीचर–लेखन)

(ख) इंटरव्यू (साक्षात्कार–भेंटवार्ता)

(ग) संपादकीय लेखन

(घ)कहानी, संवाद, फिल्म–पटकथा आदि अन्य लेखन

आंतरिक मूल्यांकन (सेशनल)	**–**	**30 अंक**	
कुल पूर्णांक : (70़30) अंक	**त्र**		**100**

डी. ए. वी. पी. जी. कॉलेज

वाराणसी

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यक्रम

डिप्लोमा कोर्स – द्वितीय सत्र

<u>द्वितीय सत्र</u>

क.2 : द्वितीय प्रश्नपत्र **पूर्णांक–70**

<u>हिन्दी पत्रकारिता : जनसंचार और प्रेस–प्रबंधन</u> **कोड–ठच्च.212**

इकाई–01 : हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और प्रकार **(क्रेडिट : 06)**

(क) पत्रकारिता : अर्थ एवं अवधारणा

(ख) पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार

(1) शैक्षिक पत्रकारिता

(2) ग्रामीण पत्रकारिता

(3) विकास पत्रकारिता

(4) फिल्म पत्रकारिता

(5) फोटो पत्रकारिता

(6) व्यापार एवं अर्थ जगत की पत्रकारिता

(7) खेल तथा अन्य पत्रकारिता।

इकाई–02 : जनसंचार के माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता

(क) जीवन और संचार माध्यमों की उपादेयता

(ख) श्रव्य माध्यम (रेडियो–आकाशवाणी)

(ग) दृश्य माध्यम (अखबार, टेलीविजन, पत्र–पत्रिकाएँ)

(घ) श्रव्य–दृश्य माध्यम (टेलीविजन, वीडियो, फिल्म)

(ड़) विज्ञापन और हिन्दी

इकाई–03 : हिन्दी पत्रकारिता और प्रेस–प्रबंधन

(क) समाचार–प्रबंधन

(ख) विज्ञापन–प्रबंधन

(ग) उत्पादन एवं वितरण–प्रबंधन

(घ) लेखा विभाग–प्रबंधन

(ड़) आचार–संहिता और प्रेस–कानून

आंतरिक मूल्यांकन (सेशनल)	**–**	**30 अंक**
कुल पूर्णांक : (70़30) अंक	**त्र**	**100**

क.3 : तृतीय प्रश्नपत्र **पूर्णांक–100**

कोड–ठच्च.213

<u>फील्ड वर्क / प्रोजेक्ट वर्क / ट्रेनिंग / एसाइनमेंट</u> **(क्रेडिट : 08)**

(क)	फील्ड वर्क / प्रोजेक्ट वर्क / ट्रेनिंग / एसाइनमेंट	–	50 अंक
(ख)	मौखिकी	–	50 अंक

विशेषः– प्रत्येक छात्र को फील्ड वर्क / प्रोजेक्ट वर्क / ट्रेनिंग / एसाइनमेंट (इनमें से कोई एक) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। मौखिकी परीक्षा का मूल्यांकन बाह्य एवं आंतरिक परीक्षक द्वारा किया जायेगा।

<u>अनुशंसित ग्रंथ</u>

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और व्यवहार– रघुनंदन प्रसाद शर्मा
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका– डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग– दंगल झाल्टे
5. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ– सं. डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. फीचर लेखन– डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ
7. भेंटवार्ता और प्रेस कॉन्फ्रेंस– डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
8. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता– डॉ. अशोक कुमार शर्मा
9. समाचार पत्र प्रबंधन– गुलाब कोठारी
10. न्यूज पेपर ऑर्गेनाइजेशन एण्ड मैनेजमेंट– हरर्बट ली विलियम
11. उत्तर आधुनिकता मीडिया विमर्श– सुधीश पचौरी
12. श्रव्य–दृश्य संप्रेषण और पत्रकारिता– जे.एस. मूर्ति

डी. ए. वी. पी. जी. कॉलेज

वाराणसी

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यक्रम

एडवांस डिप्लोमा कोर्स – प्रथम सत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता : 'एडवांस डिप्लोमा कोर्स'

(तृतीय वर्ष, प्रथम सत्र का पाठ्यक्रम)

|क्र.1 : प्रथम प्रश्नपत्र **पूर्णांक–70**

राजभाषा हिन्दी

कोड–ठच्च्.311

इकाई–01 : राजभाषा हिन्दी और उसकी संवैधानिक स्थिति (क्रेडिट : 06)

(क) राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक प्रावधान
(ख) राष्ट्रपति के आदेश
(ग) राजभाषा अधिनियम 1963
(घ) राजभाषा नियम 1976

इकाई–02 : देवनागरी लिपि और उसकी वैज्ञानिकता

(क) देवनागरी लिपि : नामकरण और विकास–यात्रा
(ख) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिक विशेषताएँ
(ग) देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्याएँ एवंसुधार

इकाई–03 : हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण और सिद्धांत

(क) पारिभाषिक शब्दावली का अर्थ एवं उसकी विशेषताएँ
(ख) पारिभाषिक शब्दावली–निर्माण, सिद्धांत एवं प्रक्रिया
(ग) पारिभाषिक शब्दावली के प्रकार
(घ)वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग
(ड़) आर्थिक–वित्तीय राजनीतिक–प्रशासनिक एवं विधि क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली का संग्रह एवं अभ्यास
(च) पारिभाषिक शब्दावली का महत्व

आंतरिक मूल्यांकन (सेशनल)	**–**	**30 अंक**	
कुल पूर्णांक : (70़30) अंक	त्र		**100**

डी. ए. वी. पी. जी. कॉलेज
वाराणसी

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता
पाठ्यक्रम

एडवांस डिप्लोमा कोर्स – द्वितीय सत्र

द्वितीय सत्र

।क:2 : द्वितीय प्रश्नपत्र **पूर्णांक–70**

हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास और संभावनाएँ

कोड–ठच्भ्:312

इकाई–01 : हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास **(क्रेडिट : 06)**

(क) स्वतंत्रता–पूर्व हिन्दी पत्रकारिता

(1) भारतीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता

(2) स्वतंत्रता–संग्राम और हिन्दी पत्रकारिता

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता

(1) आधुनिकीकरण, भूमंडलीकरण और उदारीकरण के दौर में हिन्दी पत्रकारिता

(2) सूचना क्रांति और समकालीन दौर की हिन्दी पत्रकारिता

(3) हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य

इकाई–02 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रमुख शैलियाँ

(क) बोलचाल की शैली

(ख) संवाद शैली

(ग) भावात्मक एवं विचारात्मक शैली

(घ) सामाजिक शैली

(ड़) पत्र–लेखन एवं प्रशासनिक शैली

इकाई–03 : हिन्दी पत्रकारिता : चुनौतियाँ और संभावनाएँ

(क) हिन्दी पत्रकारिता की चुनौतियाँ

(ख) हिन्दी पत्रकारिता की संभावनाएँ

(ग) सूचना तकनीकी और साइबर अपराध

आंतरिक मूल्यांकन (सेशनल)	**–**	**30 अंक**
कुल पूर्णांक : (7030) अंक	**त्र**	**100**

।क.3 : तृतीय प्रश्नपत्र **पूर्णांक–100**

कोड–ठच्च.313

<u>फील्ड वर्क / प्रोजेक्ट वर्क / ट्रेनिंग / एसाइनमेंट</u> **(क्रेडिट : 08)**

(क)	फील्ड वर्क / प्रोजेक्ट वर्क / ट्रेनिंग / एसाइनमेंट	–	50 अंक
(ख)	मौखिकी	–	50 अंक

विशेषः– प्रत्येक छात्र को फील्ड वर्क / प्रोजेक्ट वर्क / ट्रेनिंग / एसाइनमेंट (इनमें से कोई एक) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। मौखिकी परीक्षा का मूल्यांकन बाह्य एवं आंतरिक परीक्षक द्वारा किया जायेगा।

अनुशंसित ग्रंथ

1. राजभाषा का स्वरूप और विकास– डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
2. हिन्दी भाषा– डॉ. हरदेव बाहरी
3. राजभाषा हिन्दी : प्रगति और प्रमाण–सं. डॉ. इकबाल अहमद
4. हिन्दी भाषा की संरचना– डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएँ– डॉ. भोलानाथ तिवारी
6. कोश विज्ञान– डॉ. भोलानाथ तिवारी
7. हिन्दी कोश रचना– रामचन्द्र वर्मा
8. कोश विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग– डॉ. हरदेव बाहरी
9. राष्ट्रीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता–मीरारानी बल
10. हिन्दी पत्रकारिता का बृहत् इतिहास– डॉ. अर्जुन तिवारी
11. हिन्दी पत्रकारिता के युग निर्माता– लक्ष्मीशंकर व्यास
12. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम– डॉ. संजीव भानावत
13. स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी पत्रकारिता– डॉ. अर्जुन तिवारी
14. हिन्दी पत्रकारिता– डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र
15. समाचार संकलन और लेखन– डॉ. नंदकिशोर त्रिखा
16. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला– डॉ. हरिमोहन
17. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प– डॉ. मनोहर प्रभाकर
18. हिन्दी पत्रकारिता : भारतेन्दु पूर्व से छायावादोत्तर काल तक– धीरेन्द्रनाथ सिंह

प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता कोर्स का शुल्क–प्रारूप

1	प्रथम वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)	**‘सर्टिफिकेट कोर्स’**	रू. 3,000 / –
2	द्वितीय वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)	**‘डिप्लोमा कोर्स’**	रू. 3,000 / –
3	तृतीय वर्ष (प्रथम एवं द्वितीय सत्र)	**‘एडवांस डिप्लोमा कोर्स’**	रू. 3,000 / –
		कुल योग	**रू. 9,000 / –**

.– – –

Faculty of Arts

Ordinances Governing Certificate/Diploma/ Advanced Diploma Course in Prayojanmoolak Hindi Patrakarita under Career Oriented Programme of the UGC in Universities/Colleges

1. Admission:

A. (i) The Courses of study leading to Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course in Prayojanmoolak Hindi Patrakarita of the DAV PG College, Varanasi (Admitted to the privileges of Banaras Hindu University) shall be of July 2015-16 each and will run from the academic session 2015-16 starting with Certificate Course followed by Diploma and Advanced Diploma in the subsequent years that are 2011-12 and 2012-13 respectively. The maximum number of candidates to be admitted to each course will be 40 (Forty) as per the UGC Norms.

(ii) Candidates seeking admission to this course shall apply in their own hand writing on prescribed forms. The admission schedule to this course shall be fixed each year by the Principal, DAV PG College, Varanasi and candidated will hae to obtain the prescribed forms from the College paying the prescribed fee as applicable. The duly filled in forms complete in all respect should be submitted within the period specified. No application form shall be considered unless it is complete in all respects.

(iii) A Candidate of B.A. (Hons.), M.A., B.Com (Hons.), M.Com. of the College or a bonafide student of any Indian Uni./College shall be admitted concurrently to Certificate/Diploma/ Advanced Diploma course.

(iv) Admission cannot be claimed by any applicant as a matter of right. The admission of an applicant shall be strictly at the discretion of the Admission Committee, which may refuse to admit any student without assigning any reason therefor. Admission of a candidate is liable to be cancelled by the Admission Committee at any time if (a) it is detected, at any stage, that there is something against the candidate which would hae prevented him/her from being admitted to the Course and the College (b) the candidate provides any false information and (c) the candidate has been punished for an act of gross misconduct, indiscipline or an act involving moral turpitude.

(v) On his/her selection for the admission to the Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course the candidate shall withinthe time fixed by the Principal of the College deposit the Course and other fees as prescribed for the purpose. If the candidate fails to deposit the fees within the stipulated time, his/her admission shall automatically be cancelled unless extension of date for payment of fees is granted to him/her by the Principal of the College.

(vi) The Admission to the Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course shall be dealt with by an Admission Committee consisting of the Principal of the College as its Chairma, Coordinator of the Course and Two Senior Members of the Teaching Staff of the Department of Commerce of the College. The Admission Committee may co-optsuch additional members as it deems fit.

(vii) The Admission to the Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course shall be made in order of merit on the basis of marks obtained in qualifying examination at (10+2) level subject to fulfilling the eligibility requirements for the three courses.

B. Eligibility Requirements:

The Admission Committee shall make admissions on the basis of merit and shall decide all matters relating to the admission within the framework of this Ordinances and Rules, if any, framed thereunder from time to time.

(i) Certificate Course: A Candidate having been admitted to the B.A. (Hons.), M.A., B.Com (Hons.), M.Com. of the College or a bonafide student of any Indian Uni./College.

(ii) Diploma Course: A Candidate having passed the Certificate Course in Prayojanmoolak Hindi Patrakarita.

(iii) Advanced Diploma Course: A Candidate having passed the Diploma Course in Prayojanmoolak Hindi Patrakarita.

2. Courses of Study and Examination:

(i) A student admitted to the Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course shall be permitted to appear at the University Examination for the enrolment purpose he/she will have to pay enrolment fee as prescribed by the University.

(ii) To qualify for award of the Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course. the candidate must:

(a) Have attended regular course (lectures, seminars and sessionals) to the complete satisfaction of the Principal of the College.

(b) Pass the Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course which shall be held at the end of the course.

(iii) Candidates admitted to the Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course shall pursue, for a period of one year, the regular course of lectures, tutorials, seminars, sessionals and such other activities as prescribed by these Ordinances.

(iv) A student admitted to the Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course shall be required to fulfil the attendance requirements as per University rules applicable from time to time.

(v) The Certifiacate/Diploma/Advanced Diploma Course examination shall be held twice a year (Semester wise) at B.H.U, Varanasi on such dates and time as the Academic Council may prescribe. However, a second/supplementary examination may be held for those who fail or fail to appear in the Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course.

(vi) All applications to appear at the Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course examination shall be addressed to the Controller of Examinations, B.H.U. and shall be presented within such time as notified by the Controller of Examinations, B.H.U. All Such applications shall be accompanied by a Certificate of satisfactory character from the Principal of the College. Every application form alongwith the prescribed fee shall be despatched through proper channel so as to reach the Controller of Examinations, B.H.U. on or before the date prescribed for the purpose.

(vii) A student who has completed regular course of study for Certificate/Diploma/Advanced Diploma Course examinations but fails to pass or to appear at the above examinations may be admitted with the permission of the Academic Council to subsequent examination on a new application form on payment of fresh fees unless otherwise exempted by the University.

Such a student may seek re-admission alongwith new entrants to the course as regular student, or may appear at the examination as an ex-student. In the later case, students shall not be required to pursue further course of lectures, tutorials, seminars, sessionals, etc. prescribed for the examination. When a student has been allowed to appear as an ex-student, the internal assessment marks secured by him/her shall be automatically carried over to the examination at which he/she appears as an ex-student.

Course Stricture:

1. Certificate Course: The Courses will be 20 credits. Each credit will have 15 hours of workload out of which 8 credits should necessarily be assigned to Training. The proof of this should be submitted during examination e.g. Work Experience CertificateDissertation/Report etc. duly issued and signed by the concerned Institutional Authority/Coordinator.

2. Diploma Course: The Course will be of 40 credits (20 credits earned during Certificate Course.) Each credit will have 15 hours workload out ot these 8 credits should necessarily be assigned to Field Work/Project Work/Training/Assignment. The proof of this should be submitted during the examination.

3. Advanced Diploma Course: The Course will be of 60 credits (40 credits earned together during Certificate and Diploma Courses respectively). Each credit will have 15 hours of workload. Out of this 8 credits should necessarily be assigned to Field Work/Project Work/Training/Assignment. The proof of this should be submitted during the examination.

4. Scheme of one year Certificate/Diploma/Advanced Diploma Examination

i. Students for one year Certificate/Diploma/Advanced Diploma Examination under the career oriented programme of the UGC shall be examined in the following subjects:

Course			**Written**	**Internal**	**Total**
A. Certificate Course (Two Semester)			**Paper**	**Assessment**	
Semester-Ist					
C-1:	I Paper-	Prayojanmoolak Hindi : Sankalpana aur Prayukti (Code- BPH- 111)	70	30	100
Semester-IInd					
C-2:	II Paper-	Karyalayiy Hindi : Vividh Prayog (Code- BPH-112)	70	30	100
C-3:	III Paper-	Field Work/ Project Work/Training/Assignment (Code- BPH-113)*			100
				Grand Total-	**300**
B. Diploma Course (Two Semester)					
Semester-Ist					
D-1:	I Paper-	Prayojanmoolak Hindi: Anuvad aur Anuprayog (Code- BPH-211)	70	30	100
Semester-IInd					
D-2:	II Paper-	Hindi Patrakarita : Jansanchar aur Press-Prabandhan (Code- BPH-212)	70	30	100
D-3:	III Paper-	Field Work/ Project Work/Training/Assignment (Code- BPH-213)*			100
				Grand Total-	**300**
C. Advance Diploma Course (Two Semester)					
Semester-Ist					
AD-1:	I Paper-	Rajbhasha Hindi (Code- BPH-311)	70	30	100
Semester-IInd					
AD-2:	II Paper-	Hindi Patrakarita ka Itihaas aur sambhavnaye (Code- BPH-312)	70	30	100
AD-3:	III Paper-	Field Work/Project Work/Training/Assignment (Code- BPH-313)*			**100**
				Grand Total-	**300**

***Field Work/Project Work/Training/Assignment shall be evaluated out of a maximum of 50 marks and 50 marks are assigned for the Viva-Voce.**

ii. All written papers will be of three hours duration. each carrying a maximum of 70 marks. In addition to marks in each paper, there shall be an Internal Assessment of students in the form of Class Tests, Reports, Seminars, Quizzes etc. carrying 30 marks. The Internal Assessment marks will be awarded by the teacher concerned.

iii. Every student of Certificate/Diploma/Advanced Diploma shall be required to undergo for Practical Training or to undertake a Project on any topic in the area of Prayojanmoolak Hindi Patrakarita under the supervision of a teacher of the College. He/She will have to submit a Training Report or Project Report, which will carry a maximum of 100 marks (50 marks for preparation part and 50 marks for viva-voce). before the commencement of the examination.

iv. Except when otherwise directed by the Ordinance or by the Examiner in the examination paper, every student shall answer questions in Hindi Language at the examination.

v. Certificate/Diploma/Advanced Diploma students shall appear as part of internal assessment (carrying a maximum of 30 marks) in such Sessional works as Class Tests, Seminars, Quizzes and Other Assignments etc. as are given to them by the teacher concerned. The marks of the Internal Assessment as finalized by the teacher concerned shall be submitted to the principal who will forward the same to the Controller of Examinations, B.H.U.

vi. Where a student has completed the study but has failed to appear in the examination or having appeared in the examination but he/she has failed to secure minimum pass marks in any or more papers in the Internal Assessment shall be considered final and carried forward for consideration when he/she again appears in the same examination.

5. Percentage of Pass Marks

i. The following shall be the minimum and maximum marks assigned to each paper report and practicl, if any:

Maximum and Minimum marks assigned to each Paper and Viva-Voce:-

I. Maximum marks in each paper 70
II. Maximum marks in internal assessment 30
III. Minimum pass percentage in paper including Internal Assessment 40%
IV. Field Work/Project Work/Training report/Assignment & viva-voce 100
(50 marks for preparation of report & 50 marks of viva-voce)

Minimum pass percentage in
Project Report/ Training Report as also in Viva-Voce 40%

Minimum pass marks in aggregate 40%

ii. The result of the students of the Certificate/ Diploma/Advanced Diploma Examinations shall be announced as pass securing percentage of marks indicated in Ordinance No. 5 (i)

iii. The classification of the Certificate/Diploma/Advanced Diploma examinations results will be as follows:

Minimum marks for First Class with Distinction..75%
Minimum marks for First Class..60%
Minimum marks for Second Class...50%
Minimum marks for Pass..40%

6. Reappearance at Subsequent Examination:

(i) A Students, who has put in regular course of study and has put in the required percentage of the attendance, but failed to appear in the examination, may be allowed on the recommendations of the Principal to appear in the second (supplementary) examination, to be held after the declaration of result of the concerned examination.

(ii) In the aforesaid second (supplementary) examination failed candidate shall be allowed to appear only in paper (s) in which they have failed.

7. Admit Cards:

(i) The Controller of Examinations, B.H.U. may, if satisfied that an examination admit card has been lost or destroyed, grant a duplicate admit card on payment of a further fee as applicable.

(ii) A Student may not be admitted into the examination room unless he/ she produces his/her admit card to the officer conducting the examination, or satisfies such officer that it will be subsequently produced.

8. Refund and Payment of Exam Fee:

(i) A Student who fails to pass or who is unable to present himself/herself for any examination on any account shall not be entitled to refund of examination fee or adjustment of the fee to the next ensuing examination.

(ii) A student when admitted to Certificate/ Diploma/Advanced Diploma subsequent examinations shall pay the fees prescribed under Ordinance on each occasion when he/she is so admitted.

9. Scale of Fees :

All the students of Certificate Course, Diploma Course and Advanced Diploma Course shall pay Rs. 3000/- as course tution fees (per annum) respectively in addition to the other regular fees as per College/University rules.

Appendix

Scheme of one year Certificate/Diploma/Advanced Diploma Examination

Course			**Written**	**Internal**	**Total**
A. Certificate Course (Two Semester)			**Paper**	**Assessment**	
Semester-Ist					
C-1:	I Paper-	Prayojanmoolak Hindi : Sankalpana aur Prayukti (Code- BPH- 111)	70	30	100
Semester-IInd					
C-2:	II Paper-	Karyalayiy Hindi : Vividh Prayog (Code- BPH-112)	70	30	100
C-3:	III Paper-	Field Work/ Project Work/Training/Assignment (Code- BPH-113)*			100
				Grand Total-	**300**
B. Diploma Course (Two Semester)					
Semester-Ist					
D-1:	I Paper-	Prayojanmoolak Hindi: Anuvad aur Anuprayog (Code- BPH-211)	70	30	100
Semester-IInd					
D-2:	II Paper-	Hindi Patrakarita : Jansanchar aur Press-Prabandhan (Code- BPH-212)	70	30	100
D-3:	III Paper-	Field Work/ Project Work/Training/Assignment (Code- BPH-213)*			100
				Grand Total-	**300**
C. Advance Diploma Course (Two Semester)					
Semester-Ist					
AD-1:	I Paper-	Rajbhasha Hindi (Code- BPH-311)	70	30	100
Semester-IInd					
AD-2:	II Paper-	Hindi Patrakarita ka Itihaas aur sambhavnaye (Code- BPH-312)	70	30	100
AD-3:	III Paper-	Field Work/Project Work/Training/Assignment (Code- BPH-313)*			**100**
				Grand Total-	**300**

***Field Work/Project Work/Training/Assignment shall be evaluated out of a maximum of 50 marks and 50 marks are assigned for the Viva-Voce.**

. . . . .